



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 196]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 8, 1990/श्रावण 17, 1912

No. 196] NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 8, 1990/SRAVANA 17, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)

प्रधिसूचना

नयी दिल्ली, 8 अगस्त, 1990

स.एफ. 4 (5) डब्ल्यू एण्ड एम/90—10.50 प्रतिशत ऋण, 1995 (दूसरा निर्गम), 10.75 प्रतिशत ऋण, 2000 (दूसरा निर्गम), 11.25 प्रतिशत ऋण, 2005 (दूसरा निर्गम) और 11.50 प्रतिशत ऋण, 2010 (दूसरा निर्गम) के लिए कुल 2100 करोड़ रुपये या यथासंभव उसके निकट की कुल राशि के वास्ते 20 अगस्त 1990 को बैंकिंग समय की समाप्ति तक अभिवान नकदी में और/या भारत सरकार के 5-1/2 प्रतिशत ऋण, 1990 और 6.50 प्रतिशत ऋण, 1990 की प्रतिभूतियों के रूप में स्वीकार किये जायेंगे। परन्तु लिखित अधिनियम, 1881 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 20 अगस्त, 1990 को छुट्टी घोषित किय जाने पर अगले कार्य दिन बैंकिंग समय की समाप्ति तक उस राज्य के संबंधित प्राधान्य कार्यालयों में अभिवान स्वीकार किये जायेंगे।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिवान राशि 2100 करोड़ रुपयों से अधिक हो तो अभिवानों को अनुपातिक आधार पर नकदी में आंशिक आबंधन किया जाएगा। यदि आंशिक आबंधन किया जाता है

तो आंशिक आबंधन के बाद यथाशीघ्र अधिक अभिवान की राशि लौटा दी जाएगी। इस प्रकार लौटायी गयी राशियों पर कोई ब्याज भुगतान नहीं किया जाएगा।

3. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जानेवाला और 11 जून 1995 को सममूल्य पर प्रतिदेय 10.50 प्रतिशत ऋण, 1995 (दूसरा निर्गम) —

- (1) वापसी भुगतानी की तारीख—ऋण 11 जून, 1995 को सममूल्य पर वापस भुगतान किया जाएगा।
- (2) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1,000.00 (संकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।
- (3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 20 अगस्त 1990 से वार्षिक 10.50 प्रतिशत होगी। 20 अगस्त 1990 से 10 दिसम्बर 1990 (सहित) की अवधि के लिए ब्याज 11 दिसम्बर 1990 को भुगतान किया जाएगा और तत्पश्चात् ब्याज छमाही आधार पर 11 जून, 11 दिसम्बर को भुगतान किया जाएगा। इस प्रकार भुगतान किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 11 और 12 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के प्रतर्गत कर लगेंगा।

4. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जानेवाला और 11 जून, 2000 को सममूल्य पर प्रतिदेय 10.75 प्रतिशत ऋण, 2000 (दूसरा निर्गम)

- (1) वापसी अदायगी की तारीख: ऋण 11 जून, 2000 को सममूल्य पर वापस भ्रदा किया जायगा।
- (2) निर्गम मूल्य: प्रत्येक रु. 1000.00 (माफ़ेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।
- (3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 20 अगस्त 1990 से वार्षिक 10.75 प्रतिशत होगी। 20 अगस्त 1990 से 10 दिसम्बर 1990 (सहित) की अवधि के लिए ब्याज 11 दिसम्बर 1990 को भ्रदा किया जायेगा और तत्पश्चात् ब्याज छमाही आधार पर 11 जून और 11 दिसम्बर को भ्रदा किया जायेगा। इस प्रकार भ्रदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 11 और 12 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

5. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जानेवाला और 11 जून, 2005 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.25 प्रतिशत ऋण 2005 (दूसरा निर्गम)---

- (1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 11 जून, 2005 को सममूल्य पर वापस भ्रदा किया जाएगा।
- (2) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1,000.00 (माफ़ेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।
- (3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 20 अगस्त 1990 से वार्षिक 11.25 प्रतिशत होगी। 20 अगस्त 1990 से 10 दिसम्बर 1990 (सहित) की अवधि के लिए ब्याज 11 दिसम्बर 1990 को भ्रदा किया जायेगा और तत्पश्चात् ब्याज छमाही आधार पर 11 जून और 11 दिसम्बर को भ्रदा किया जायेगा। इस प्रकार भ्रदा किये किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 11 और 12 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

6. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जानेवाला और 11 जून 2010 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.50 प्रतिशत ऋण 2010 (दूसरा निर्गम)

- (1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 11 जून 2010 को सममूल्य पर वापस भ्रदा किया जाएगा।
- (2) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1,500.00 (माफ़ेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।
- (3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 20 अगस्त, 1990 से वार्षिक 11.50 प्रतिशत होगी। 20 अगस्त 1990 से 10 दिसम्बर 1990 (सहित) की अवधि के लिए ब्याज 11 दिसम्बर 1990 को भ्रदा किया जायेगा और तत्पश्चात् ब्याज छमाही आधार पर 11 जून और 11 दिसम्बर को भ्रदा किया जायेगा। इस प्रकार भ्रदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 11 और 12 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

7. उपर्युक्त ऋणों के मामले में ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम पूर्ण रुपये में पूर्णकृत करने के बाद भ्रदा की जायेगी। इस प्रयोजन के लिए पचास पैसे से कम के ब्याज को हिसाब में नहीं लिया जायेगा और पचास या उससे अधिक पैसे को अगले रुपये में पूर्णकृत किया जायेगा।

8. 5-1/2 प्रतिशत ऋण, 1990 और/या 6.50 प्रतिशत ऋण, 1990 की प्रतिभूतियां गये ऋणों में सममूल्य पर परिवर्तन के लिए,

स्वीकार की जायेगी। परिवर्तन के लिए प्रस्तुत 5-1/2 प्रतिशत रु. 1990 और 6.50 प्रतिशत ऋण, 1990 की प्रतिभूतियों पर ब्याज क्रमशः 30 जून, 1990 और 17 जुलाई 1990 तक उनके सहित 5.50 प्रतिशत और 6.50 प्रतिशत की दर से भ्रदा किया जायेगा। उसके अनतिरिक्त, 49 दिन (अर्थात्, यदि परिवर्तन के लिए 5-1/2 प्रतिशत ऋण, 1990 की प्रतिभूतियां प्रस्तुत की जाती हैं तो 1 जुलाई 1990 से 19 अगस्त 1990 तक) और 32 दिन (अर्थात् यदि परिवर्तन के लिए 6.50 प्रतिशत ऋण, 1990 की प्रतिभूतियां प्रस्तुत की जाती हैं तो 18 जुलाई 1990 से 19 अगस्त 1990 तक) के लिए नये प्रतिभूतिश्री जारी करने समय, गण-स्तिमि, आवेदित नये ऋण अर्थात् 10.50 प्रतिशत, 10.75 प्रतिशत, 11.25 प्रतिशत या 11.50 प्रतिशत की दर के अनुसार प्रस्तावित ब्याज भ्रदा किया जायेगा।

पूरक व्यवस्थाएं

9. आवेदनपत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जायेंगे :

(क) अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बम्बई (फोर्ट और भायखना कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय और

(ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में जिला मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखाएं।

10. ब्याज भ्रदा करने का स्थान—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बम्बई, कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और कश्मीर तथा तथा मिशिकम राज्यों की छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उप-राजकोष में ब्याज भ्रदा किया जाएगा।

11. ब्याज अधिम समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काट गये कर की वापसी अदायगी उन ऋणों को प्राप्त होगी जिनपर कर लागू नहीं है या जिनपर एसी दरों पर कर लागू होता है जो काट गये कर की दर से कम हो।

जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है वह जिस के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसी प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होनेवाली न्यूनतम दर पर कर की कटौती करके ये ब्याज भ्रदा किया जाए।

भारत का निवासी कोई भी व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा से अधिक नहीं है वह ब्याज भ्रदा करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को दो प्रतिवियों में निर्धारित फार्म में घोषणापत्र प्रस्तुत करके कर की कटौती किये बिना ब्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

12. भ्रद जारी किये जाने वाले ऋणों पर ब्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलनेवाले ब्याज तथा अन्य अनुमोदित नवेषों से मिलनेवाली आय की वार्षिक 7,000 रुपयों की सीमा तक और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80B के अन्य उपबंधों के अधीन धारक से छूट प्राप्त होगी।

13. भ्रद जारी किये जानेवाले ऋणों में किये जानेवाले निवेषों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेषों और संपत्ति को अधिनियम की धारा 5 में निविष्ट अन्य निवेषों के मूल्यों की भी अधिनियम में निविष्ट सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

14. प्रतिभूतियां केवल स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में जारी की जायेगी।

15. ऋणों के लिए आवेदनपत्र—ऋणों के लिए आवेदनपत्र रु. 1,000.00 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिए।

16. आवेदनपत्र इसके साथ भसलपन फार्म में या फिर ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें राशि, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहाँ आवेदक व्याज की प्रदायगी की अपेक्षा करता है।

17. आवेदनपत्रों के साथ प्रत्यक्ष राशि नकदी या चेक और/वा/5½ प्रतिशत शून्य, 1990 और/वा 6.50 प्रतिशत शून्य 1990 की प्रतिभूतियाँ जो परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जा रही हैं के रूप में प्रष्टि की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले चेक संबंधित बैंक के नाम आह्वित कि जाने चाहिए।

परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जानेवाली प्रतिभूतियाँ धारक द्वारा सरकार को निम्नप्रकार हस्तित की जानी चाहिए -

- i. यदि स्टॉक प्रमाणपत्र के रूप में हो तो प्रमाणपत्र के पीछे अंतरण विलेख फार्म पर किसी साक्षी हस्ताक्षर करके।
- ii. यदि वचनपत्रों के रूप में हो तो उन्हें निम्नप्रकार से पृष्ठांकित किया जाए -

“भारत के राष्ट्रपति को अदा करें।”

18. स्वीकृत बैंकों को उनके द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से प्रस्तुत कृण आवेदनपत्रों पर किये गये आर्बिटनों पर तथा बलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी सुहरयुक्त कृण आवेदनपत्रों पर किये गये आर्बिटनों पर प्रति रु. 100.00 (सैकैतिक) 6 पैमे को दर पर बलाती अदा की जायगी। बैंक-वाणिज्य और सहकारी बैंक उनके अपने प्रशिक्षणों के लिए बलाती की अदायगी के पात्र नहीं होंगे।

राष्ट्रपति के आदेश से,

श्रीमती जानकी कठपालिया, संयुक्त सचिव,

दलाल की मुहर और पता

आवेदन का फार्म

मैं/हम* (पूरा/पूरे नाम) इसके साथ क.
 (..... रुपये) के लिए नकदी/चेक* / 5½ प्रतिशत, अण, 1990/8.50 प्रतिशत अण 1990 की प्रतिभूतियों* प्रस्तुत करत
 करते हैं और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें* स्टॉक प्रमाणपत्र*/मिरे/हमारे* एस.जी.एल. खाते में जमा के रूप में रु. के सांकेतिक मूल्य की
 10.50 प्रतिशत अण, 1993 (दूसरा निर्गम)* / 10.75 प्रतिशत अण, 2000 (दूसरा निर्गम)* / 11.25 प्रतिशत अण, 2005 (दूसरा निर्गम)* / 11.50
 प्रतिशत अण, 2010 (दूसरा निर्गम)* की प्रतिभूतियाँ जारी की जाएँ।

2 मैं/हम* चाहता हूँ/चाहते हैं कि उनका ब्याज में भरा किया जाए।

विशेष टिप्पणी : इस खाने में आवेदक कुछ न लिखें।

प्रविष्टियाँ आदाता कार्यालय द्वारा की जाएंगी।

हस्ताक्षर
पूरा (पूरे) नाम

आवक्षर

दिनांक

आवेदन पत्र सं.

“दलाली नहीं” मुहर

नकदी प्राप्त होने की तारीख :

चेक वसूल होने की तारीख

विशेष बालू खाते में जमा करने की तारीख

जांच की गयी :

नकदी आवेदनपत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया :

दलाली रजिस्टर में दर्ज किया गया :

मांग पत्र सं.

प्रतिभूति सं.

कार्ड सं.

बाउचर पारि। करने की तारीख :

पता :

दिनांक : अगस्त 1990

*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

टिप्पणी : 1. परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की जानेवाली प्रतिभूतियाँ यदि वचनपत्रों के रूप में हों तो उन्हें आवेदक/कों के हस्ताक्षरों सहित इन शब्दों के साथ
 पृष्ठांकित किया जाए—“भारत के राष्ट्रपति को भरा करें” और यदि वे स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में हों तो उनके पीछे दिये गये अंतरण
 विलेख पर आवेदक किसी साक्षी के समक्ष हस्ताक्षर करे/करें।

2. प्रत्येक अण और अपेक्षित नये अण के प्रत्येक प्रकार के अभिदान के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए।

3. यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगूठे के निशान के रूप में हो तो वो व्यक्ति उसके साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम,
 व्यवसाय और पते दिये जाएँ।

4. यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक अण कार्यालय
 में पहले ही पंजीकृत न किये गये हों तो संलग्न किये जाएँ :

(i) निगम/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के अधीन जारी करनेवाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी सत्य प्रति-
 लिपि।

(ii) कंपनी/निकाय के बहिनियमों और अंतर्नियमों या नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियाँ।

(iii) कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेनदेन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति(यों) के पक्ष में किये गये संकल्प की
 प्रमाणित प्रतिलिपि, उसके/उनके विधिवत् सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।

5. आवेदकों को, उन्हें जारी किये जानेवाले स्टॉक प्रमाणपत्र/पत्रों पर ठमाही ब्याज के प्रेषण के लिए प्रादेश फार्म (लोक अण कार्यालय में
 उपलब्ध) भी भरा भाड़िए।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th August, 1990

No. F. 4(5)W&M/90.—Subscriptions for the issues of 10.50 per cent. Loan, 1995 (Second Issue), 10.75 per cent. Loan, 2000 (Second Issue), 11.25 per cent. Loan, 2005 (Second Issue) and 11.50 per cent. Loan, 2010 (Second Issue) for an aggregate amount of Rs. 2100 crores or as near thereto as possible will be received in the form of cash and/or securities of Government of India 5½ per cent. Loan, 1990 and 6.50 per cent. Loan, 1990 on the 20th August 1990 upto the close of banking hours. In the event of 20th August 1990 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of banking hours on the next working day.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 2100 crores, partial allotment will be made to the subscribers in cash on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 10.50 per cent Loan, 1995 (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 11th June, 1995.

(i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 11th June, 1995.

(ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 10.50 per cent per annum from 20th August, 1990. Interest for the period from 20th August 1990 to 10th December 1990 (inclusive) will be paid on 11th December 1990 and thereafter interest will be paid half-yearly on 11th June and 11th December. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 11 and 12 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

4. 10.75 per cent Loan, 2000 (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 11th June, 2000.

(i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 11th June, 2000.

(ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 10.75 per cent per annum from 20th August, 1990. Interest for the period from 20th August, 1990 to 10th December, 1990 (inclusive) will be paid on 11th December, 1990 and thereafter interest will be paid half-yearly on 11th June and 11th December. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 11 and 12 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

5. 11.25 per cent Loan, 2005 (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 11th June, 2005.

(i) Date of Repayment.—The Loan will repaid at par on the 11th June, 2005.

(ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 11.25 per cent per annum from 20th August, 1990. Interest for the period from 20th August 1990 to 10th December 1990 (inclusive) will be paid on 11th December 1990 and thereafter interest will be paid half-yearly on 11th June and 11th December. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 11 and 12 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

6. 11.50 per cent Loan, 2010 (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 11th June, 2010.

(i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 11th June, 2010.

(ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 11.50 per cent per annum from 20th August, 1990. Interest for the period from 20th August, 1990 to 10th December, 1990 (inclusive) will be paid on 11th December, 1990 and thereafter interest will be paid half-yearly on 11th June and 11th December. The interest paid will, subject to the provisions of paragraph 11 & 12 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

7. The gross amount of interest in respect of above loans will be paid after rounding off to the nearest whole rupee. For this purpose, amount of interest less than paise fifty will be ignored and paise fifty or more will be rounded off to the next rupee.

CONVERSION TERMS

8. The Securities of 5½ per cent Loan, 1990 and/or 6.50 per cent Loan, 1990 will be accepted for conversion into the new loans at par. Interest on the securities of 5½ per cent Loan, 1990 and 6.50 per cent Loan, 1990 tendered for conversion will be paid at the rate of 5.50 per cent and 6.50 per cent upto and inclusive of 30th June, 1990 and 17th July 1990 respectively. In addition, anticipatory interest for 49 days (i.e. from 1st July 1990 to 19th August 1990 if the securities of 5½ per cent Loan, 1990 are tendered for conversion) and 32 days (i.e. from 18th July 1990 to 19th August 1990 if the securities of 6.50 per cent Loan, 1990 are tendered for conversion) will be paid according to the rate of interest of the new loan applied for, i.e. 10.50 per cent, 10.75 per cent, 11.25 per cent or 11.50 per cent per annum, as the case may be, at the time of issue of new securities.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

9. Applications will be received at :

(a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort & Byculla), Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum; and

(b) Main branches of the State Bank of India at DISTRICT HEADQUARTERS in India except at (a) above.

10. Place of payment of interest.—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu & Kashmir and Sikkim.

11. Refund of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on an application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in

duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

12. Interest on the Loans now issued together with interest on other previous Government Securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

13. The value of investments in the Loans now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the wealth-tax upto the limit specified in the Act.

14. The Securities will be issued in the form of stock only.

15. Applications for the Loans—Applications for the Loans must be for Rs. 1,000 or a multiple of that sum.

16. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

17. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque and/or securities of the 5½ per cent Loan, 1990 and/or 6.50 per cent Loan, 1990 which are being offered for conversion. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned, the securities tendered for conversion must be transferred by the holder to the Government—

(i) in the case of Stock Certificates, by signing the form of transfer deed on the reverse of the certificate before a witness.

(ii) in the case of Promissory Notes, by endorsing them in the manner indicated below :

“Pay to the President of India”.

18. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loans tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp. Banks—Commercial and Co-operative banks—will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

By Order of the President,
MRS. JANAKI KATHPALIA, Jt. Secy.

BROKER'S STAMP WITH ADDRESS

FORM OF APPLICATION

I/We*
 [Full Name(s) in Block Letters]

..... herewith
 *Cash
 tender Rs. (Rupees.....)/

Cheque for

*Securities of 5-1/2 per cent. Loan, 1990/6.50 per cent. Loan, 1990 of the nominal value of Rs.
 (Rupees.....) and request that Securities of 10.50
 per cent. Loan, 1995 (Second Issue)*/10.75 per cent. Loan, 2000 (Second Issue)*/11.25 per cent. Loan
 2005 (Second Issue)*/11.50 per cent. Loan, 2010 (Second Issue)* of the nominal value of Rs.
 may be issued to me/us* in the form of Stock Certificate*/credit to my/our* S.G.L. Account.

2. I/We* desire th interest be paid at.....

N.B.— The applicant should not write anything in this cage.
 The entrie will be filled in by the Receiving Office

	Initials	Date	Signature(s)
Application No.	Names in full
N.B. Stamp	(Block Letters)
Cash received on
Cheque realised on
Credited to Special Current
Account on	Address
Examined
Cash Applications Register posted
Brokerage Register poste d
Indent No.
Scrip No.
Card No.
Voucher passed on	Dated the of August 1990.

*Delete what is not required.

- Notes : (1) Securities tendered for conversion should be endorsed with the words 'Pay to the President of India' over the signature of the applicant/s, if they are in the form of Promissory Notes and the transfer deed on the reverse should be signed by him/them before a witness, if they are in the form of Stock Certificates.
- (2) Separate applications should be made for each Loan, and each form of subscription of the New Loan required.
- (3) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two person The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.

-
- (4) If the application is made in the name of the registered body the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application :—
- (i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
 - (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/Bye-Laws of the company/body.
 - (iii) Certified copy of resolution in favour of the person's authorised to deal in Government Securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
- (5) Applicants should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest on stock certificate/s issued to them.